

आगे क्रि.वि. (तद्.) 1. सामने प्रयो. मेरे आगे ही बम का धमाका हुआ 2. इसके बाद, बाद में, भविष्य में प्रयो. मुझे जो कहना था, कह दिया, आगे तुम जानो 3. अधिक, ज्यादा प्रयो. इससे आगे एक पैसा नहीं बढ़ाऊँगा मुहा. आगे आना-सामने आना, पहल करना, नेतृत्व करना; आगे करना- मुखिया बनाना, अगुआ बनाना; आगे निकलना- अधिक उन्नति करना; आगे-पीछे न होना- किसी के वंश में किसी भी संबंधी का जीवित न रहना; आगे रखना- चढ़ाना, अर्पण करना, प्रस्तुत करना; आगे होना- नेतृत्व करना।

आगे-आगे क्रि.वि. (तद्.) कुछ समय बाद भविष्य में प्रयो. 'आगे-आगे देखिए होता है क्या'।

आगोश स्त्री. (फा.) गोद।

आगौल पुं. (देश.) सेना का अगला भाग।

आग्निक वि. (तत्.) यज्ञ की अग्नि या अग्नि से संबंध रखने वाला।

आग्नेय वि. (तत्.) 1. अग्नि-संबंधी 2. जिसका देवता अग्नि हो जैसे- आग्नेय मंत्र, आग्नेय कोण 3. अग्निगर्भ, अग्नि से उत्पन्न 4. दक्षिण-पूर्वी; अग्नि कोण-संबंधी 5. अग्नि के समान लाल, क्रोध से लाल 6. भू-वि. अत्यधिक ताप से उत्पन्न, जैसे- आग्नेय शैल 7. आग निकालने या उगलने वाला जैसे- तोप, बंदूक आदि पुं. (तत्.) 1. सुवर्ण, सोना 2. खून, लहू 3. कृत्तिका नक्षत्र 4. आग भड़काने वाले पदार्थ, यथा-बारूद आदि 5. कार्तिकेय।

आग्नेय अस्त्र पुं. (तत्.) विस्फोट से चलने वाला अस्त्र, जैसे- बंदूक पिस्तौल, तोप आदि, बारूदी अस्त्र।

आग्नेय कीट पुं. (तत्.) 1. आग में कूदने वाला कीड़ा, पतिंगा 2. जुगनू, खद्योत।

आग्नेय कोण पुं. (तत्.) दक्षिण-पूर्व दिशा।

आग्नेयचट्टान पुं. (तद्.) तप्त पृथ्वी के धीरे-धीरे ठंडी होने पर बनने वाले चट्टान, भूगर्भ के पिछले पदार्थों के भीतर या बाहर, ठंडे होकर जम जाने से बने पहाड़ों की चट्टानें।

आग्नेय पुराण पुं. (तत्.) अग्निदेव द्वारा ऋषि वशिष्ठ को सुनाया गया पुराण, अग्नि पुराण।

आग्नेयस्नान पुं. (तत्.) सम्पूर्ण शरीर पर भस्म अथवा राख का लेपन।

आग्नेयास्त्र पुं. (आग्नेय+अस्त्र) (तत्.) ऐसा अस्त्र जिससे आग निकले, विस्फोट से चलने वाला अस्त्र।

आग्नेयी स्त्री. (तत्.) अग्नि की पत्नी, स्वाहा।

आग्रयण पुं. (तत्.) वर्षा, शरत् या वसंत में नए अन्न से किया जाने वाला श्रौत यज्ञ।

आग्रह पुं. (तत्.) 1. (हार्दिक) अनुरोध, इसरार, (दृढ़तापूर्ण) निवेदन 2. दृढ़ निश्चय 3. हठ।

आग्रह-प्राशन पुं. (तत्.) मनो. शिशु के भूखा होने का पता चलने पर ही उसे आहार देने की व्यवस्था।

आग्रहायणी वि. (तत्.) 1. अग्रहन (मार्गशीर्ष) की पूर्णिमा 2. मृगशिरा नक्षत्र।

आग्रहारिक वि. (तत्.) जिसे अग्रहार (ब्राह्मण) को निर्वाहार्थ दी गई भूमि या अन्न प्राप्त हो।

आग्रही पुं. (तत्.) आग्रह करने वाला, अनुरोध या हठ करने वाला।

आघट्टक पुं. (तत्.) लाल रंग वाला चिचड़ी नामक औषधीय क्षुप, अपामार्ग, किलनी वि. (तत्.) रगड़ने वाला, घर्षण करने वाला।

आघना स.क्रि. (तद्.) 1. सूँघना। 2. तृप्त होना, अघाना, छकना।

आघर्ष पुं. (तत्.) रगड़, घर्षण।

आघर्षण पुं. (तत्.) रगड़, रगड़ना।

आघर्षणी स्त्री. (तत्.) रगड़ने वाला साधन, ब्रश, रबर, रेती आदि।

आघाट पुं. (तत्.) 1. (गाँव की) सीमा, हद 2. एक तरह का बाजा क्रि.वि. (तत्) (नदी के) घाट तक, गाँव की सीमा तक।